कुल पृष्ठ संख्या–28 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या 007521

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिए)

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ☑ अंग्रेजी ☐

विषय हिन्दी (अनिवार्य)

परीक्षा का दिन सोमवार

दिनांक 24-03-2025

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15¼ को 16, 17½ को 18, 19¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	16	19	
2	6	20	
3	6	21	
4	5½	22	
5	2	23	
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	3	28	
11	3	29	
12	3	30	
13	3	31	
14	2½	योग	79
15	6	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	6	अंकों में	शब्दों में
17	4	79	उनासी
18	5		

परीक्षक के हस्ताक्षर........ संकेतांक 40001

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. ईको मेपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 172/2022

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में 'समाप्त' लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिए। परीक्षार्थी उत्तर पुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केल्क्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार ले जाना निषेध है।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ भी न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिए, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ ग्राफ/ मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/ अन्तर/ विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		खण्ड - अ
1	(1) (i)	(अ) खोजी पत्रकारिता
1	(ii)	(स) मुद्रित या प्रिंट माध्यम
1	(iii)	(ब) लिपि
1	(IV)	(अ) बोली
1	(V)	(द) निशा निमन्त्रण
1	(VI)	(ब) तुलसीदास
1	(VII)	(अ) कागज का पन्ना
1	(VIII)	(स) लछमिन (लक्ष्मी)
1	(IX)	(ब) चूरन
1	(X)	(अ) काले मेघा पानी दे
1	(XI)	(अ) भीमराव आंबेडकर
1	(XII)	(अ) ज्यों का त्यों स्वीकार कर लेने का भाव

BSER-172/2022

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1	(XIII)	(स) यशोधर पंत
1	(XIV)	(अ) वसंत पाटिल
1	(XV)	(अ) मुअनजो-दड़ो और हड़प्पा
1	(XVI)	(द) आनन्द यादव
16		
	२	
1	(i)	अभिधा
1	(ii)	लक्षणा
1	(iii)	श्लेष
1	(IV)	वक्रोक्ति
1	(V)	वार्षिक
1	(VI)	CAMP
6		

BSER-172/2022

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1	③ (i)	"सच्चरित्रता का महत्त्व" गद्यांश का उचित शीर्षक है।
1	(ii)	चरित्र-बल मनुष्य का सर्वोत्तम गुण है।
1	(iii)	मनुष्य अपने चरित्र की शक्ति से अनेकानेक आपत्तियों, विपत्तियों और कठिनाइयों का सामना कर सकता है।
1	(iv)	सम्मानपूर्वक और सफल जीवन व्यतीत करने के लिए उत्तम चरित्र का होना नितांत आवश्यक है।
1	(v)	जीवन को सुख-शांति तथा आनन्द से भरपूर बनाने के लिए मनुष्य को सच्चरित्र बनने का प्रयास करना चाहिए।
1	(vi)	सच्चरित्रता के अभाव में केवल बौद्धिक ज्ञान सुगन्धित शव के समान है।
6		

BSER-172/2022

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
½	4 (i)	'मन का सुख' उचित शीर्षक है।
1	(ii)	जहाज का पंछी उड़कर फिर जहाज पर ही आ जाता है।
1	(iii)	गंगा के जल को छोड़कर कुंआ खुदवाने वाले व्यक्ति को कवि ने 'पियासो' अर्थात 'प्यासा' कहा है।
1	(iv)	करील के फल 'मधुकर' को अच्छे नहीं लगते।
1	(v)	"मेरो मन अनत कहाँ सुख पावे?" इस पंक्ति का भावार्थ यह है कि मेरा मन चंचल है वह इस संसार में कहीं सुख नहीं पा सकता।
1	(vi)	पियासो शब्द का अर्थ है – "प्यासा"।
5½		साढ़े पाँच

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड – ब

(5) समाचार - लिखते समय छः ककारों को ध्यान में रखा जाता है जो क्रमशः है- क्या, कब, कौन, कहाँ, क्यों, कैसे ।
इनमें से शुरू के चार ककारों क्या, कब, कौन, कहाँ का उत्तर समाचार के इन्ट्रो (मुखड़े) में दिया जाता है। तथा शेष दो ककारों क्यों और कैसे का समाधान समाचार की बॉडी में दिया जाता है। इन छः ककारों का समाचार में विशेष महत्व होता है इनके जवाबों से मिलकर ही समाचार तैयार होता है।

2

(6) "अच्छा तो यह ठहरा ड्रेसिंग गाउन।" यह कथन 'सिल्वर वैडिंग' कहानी के मुख्य पात्र 'यशोधर बाबु' के हैं। जब उनकी शादी की पच्चीसवीं सालगिरह पर उनके बेटे भूषण ने उनको एक ड्रेसिंग गाउन पहनाकर सुबह दूध लाने की बात कही तो यशोधर बाबु को अपने बेटे की यह बात चुभ गई और उनके अन्दर उनका आदर्श किशनदा उतर आया। उन्होंने मन में सोचा कि बेटा ड्रेसिंग गाउन पहनकर दूध लाने की बात कह रहा है न कि खुद दूध ले आने की। यह कहते हुए उनके आंखों में नमी छा गई।

2

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
2	7	लेखक आनन्द यादव जब पांचवी कक्षा में पहले दिन विद्यालय गए तो उनका कक्षा में मन नहीं लगा। उन्होंने सोचा कि, "चौथी से पांचवी तक कक्षा अपनी लगती थी परन्तु अब नहीं"। उनकी गली के दो कमजोर छात्र भी उसी कक्षा में थे। लेखक चुपचाप एक कोने में जाकर बैठ गए परन्तु तभी कक्षा के शरारती लड़के लेखक के तौलिए को खींचकर उन्हें परेशान करने लगे। उस दिन लेखक को उन शरारती लड़कों ने बहुत तंग किया। जिससे लेखक का मन खट्टा हो गया।
2	8	"कैमरे में बंद अपाहिज" कविता में रघुवीर सहाय ने मीडिया की दोहरी मानसिकता पर व्यंग्य किया है। उन्होंने कहा है कि मीडिया वाले स्वयं को सर्वशक्तिवान समझते हैं। वे एक अपाहिज व्यक्ति को कैमरे के सामने दिखाकर उससे अमानवीय प्रश्न पूछते हैं जो मानवता की खिल्ली-सी उड़ाते प्रतीत होते हैं। वे उस अपाहिज की विकलांगता को दर्शकों को दिखाकर अपने कार्यक्रम को लोकप्रिय बनाना चाहते हैं। वे करुणा जगाने की जगह उसके माध्यम से धनार्जन करना चाहते हैं। इस कविता में रघुवीर सहाय ने इनके क्रूर व अमानवीय व्यवहार को बताने के साथ प्रत्येक व्यक्ति की ओर व्यंजना की जो किसी के दुख-यातनाओं को बेचना चाहता है।

BSER-172/2022

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
2	9	'पहलवान की ढोलक' पाठ में जब लुट्टन का पालन-पोषण विधवा सास द्वारा किया जा रहा था तब उसने देखा कि 'गाँव के लोग उसकी विधवा सास को बहुत परेशान करते थे'। तो लुट्टन के सिर पर उन लोगों से बदला लेने के लिए कसरत की धुन सवार हुई। वह प्रतिदिन धारोष्ण दूध पीता और नियमित कसरत करता। इससे उसका शरीर किशोरावस्था में कदम रखते ही ताकतवर बन गया और वह गाँव का सबसे अच्छा पहलवान समझा जाने लगा। और वह पहलवानों की भाँति अपने दोनों हाथों को 45 डिग्री पर फैलाकर चलने लगा।

2

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड – स

(10) लेखक जैनेन्द्र कुमार द्वारा रचित निबन्ध "बाजार दर्शन" पाठ में उन्होंने बाजारवाद की ओर टिप्पणी करते हुए कहा है कि बाजार में एक जादू है और यह जादू आंख की राह द्वारा काम करता है। यह जादू एक आकर्षण है जिससे व्यक्ति के मन में चाह जगाती है और उसके मन में अनावश्यक वस्तुऐं खरीदने की लालसा जागती है। ~~बाज़ार~~ लेखक ने कहा है कि अगर व्यक्ति का मन खाली हो और जेब भरी हो तो यह जादू खूब चलता है। व्यक्ति बाजार की चमक-दमक से फंसकर व अपनी क्रय शक्ति का दिखावा करने के चक्कर में अनावश्यक वस्तुऐं खरीद लाता है जो उसके आलस्य को बढ़ाती है। इस पाठ में लेखक ने बाजार को सार्थकता देने पर बल दिया है कि हमें बाजार जाते समय अपनी आवश्यकताओं को निश्चित करके जाना चाहिए।

5

BSER-172/2022

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
3	11	'कुंवर नारायण' द्वारा लिखित कविता 'कविता के बहाने' में उन्होंने एक यात्रा का वर्णन किया है जो चिड़िया, फूल से लेकर बच्चे तक की है। सर्वप्रथम कवि ने चिड़िया की उड़ान की तुलना कविता की उड़ान से की है। चिड़िया की उड़ान सीमित है वह एक घर से दूसरे घर में ही जा पाती है परन्तु कविता अपनी कल्पना से पूरे संसार का भ्रमण कर लेती है। इसके बाद कवि ने फूल के बारे में कहा है कि फूल का महकना व मुरझा जाना एक निश्चित समय के लिए होता है परन्तु कविता अपनी प्रेरणा व सन्देश से अनन्त काल तक महकती रहती है। कवि ने कविता को बच्चों के खेल के समान बताया है जिस प्रकार बच्चे खेलते समय भेदभाव नहीं करते और समस्त संसार को अपना घर समझते हैं। उसी प्रकार कविता भी देश-काल आदि का भेद भूलकर अपना आनन्द, प्रेरणा व सन्देश समस्त संसार में पंहुचाती है।

BSER-172/2022

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(12) मनोहर श्याम जोशी द्वारा लिखित कहानी 'सिल्वर वैडिंग' में उन्होंने बताया है कि किशनदा के दिल्ली चले जाने के बाद यशोधर बाबू ने उनकी कई परम्पराओं को जीवित रखा जैसे - रामलीला की तालीम के लिए क्वार्टर का एक कमरा किराये पर दे देना, जन्यों पुन्यों के दिन सभी कुमाँउनियों को आमन्त्रित करना, प्रतिदिन बिड़ला मन्दिर जाकर प्रवचन सुनना, गीता प्रेस गोरखपुर की किताबें पढ़ना, भारतीय परम्परा का पालन करना, अपने अधीनस्थों के साथ कभी-कभार हंसी मजाक करना तथा किशनदा की तरह झेंपते-झेंपते हंसना आदि।
उपर्युक्त कथन से सिद्ध होता है कि यशोधर बाबू एक तरह से किशनदा के मानस पुत्र थे। यशोधर बाबू किशनदा को अपना आदर्श मानते थे परन्तु यह बात उनके बीवी-बच्चों को जरा भी पसन्द नहीं थी।

5

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(13) धर्मवीर भारती :-

लेखक धर्मवीर भारती का जन्म सन् 1926 में इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश में हुआ। इन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से एम.ए. तथा पी.एच.डी. की तथा ये हिन्दी के प्राध्यापक बने। कुछ समय बाद नौकरी छोड़कर मुम्बई चले गए तथा 'धर्मयुग' पत्रिका का सम्पादन करने लगे।

प्रमुख रचनाएँ → इनकी प्रमुख रचनाओं में कनुप्रिया, ठंडा लोहा, सात-गीत वर्ष, बंद गली का आखिरी मकान, सूरज का सातवां घोड़ा, गुनाहों का देवता, मुर्दों का टीला, ठेले पर हिमालय आदि सम्मिलित हैं।

सम्मान → इन्हें पद्मश्री व व्यास सम्मान जैसे कई महत्वपूर्ण पुरस्कारों से सम्मान प्राप्त है।

मृत्यु → इनकी मृत्यु सन् 1997 में दिल्ली में हुई।

अन्य जानकारियाँ → • इनके दूसरे लोकप्रिय उपन्यास सूरज का सातवां घोड़ा पर एक हिन्दी फिल्म भी बन चुकी है।

• इन्हें 'गुनाहों का देवता' उपन्यास से लोकप्रियता प्राप्त हुई।

• इनका आजादी के बाद के साहित्यकारों में विशिष्ट स्थान है।

3

BSER-172/2022

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(14) फीचर एक मनोरन्जन ढंग से लिखा गया प्रासंगिक लेख अथवा विविध क्षेत्रों की हलचलों का शब्द चित्र होता है। यह एक गद्य गीत की तरह होता है जिसका जुड़ाव हृदय से होता है। इसका प्रमुख कार्य - सूचना देना, शिक्षित करना व मनोरन्जन करना होता है।

फीचर लेखन कई प्रकार का होता है —

(i) व्यक्तिपरक फीचर
(ii) सांस्कृतिक फीचर
(iii) मौसमी फीचर
(IV) ऐतिहासिक फीचर
(V) विज्ञान फीचर
(VI) चित्रपरक फीचर
(VII) वस्तुपरक फीचर
(VIII) सूचनापरक फीचर

→ ये सभी फीचर के प्रकार होते हैं। इसके अलावा फीचर अन्य प्रकार के भी हो सकते हैं।

2½

BSER-172/2022

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - द

(15) जन्म से ही ------------------ शरीर का संगीत

सन्दर्भ → प्रस्तुत काव्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक आरोह भाग-2 के 'पतंग' कविता से लिया गया है। यह कविता 'आलोक धन्वा' द्वारा रचित है।

प्रसङ्ग → इन पंक्तियों में कवि ने पंतग उड़ाते समय बालसुलभ इच्छाओं के साथ उनकी उत्साह व उमंगों का चित्रण किया गया है।

व्याख्या → इन पंक्तियों में कवि कहते हैं कि बच्चे कपास की तरह कोमल, मुलायम, हल्के तथा चोट सहने में समर्थ होते हैं। जब वे पंतग उड़ाते समय भूख-प्यास, गर्मी-सर्दी आदि की चिंता किए बिना अपने कोमल पैरों से कठोर छतों को मुलायम बना देते हैं तब पृथ्वी उनके बेचैन पैरों के पास आती प्रतीत होती है। उनके पैरों की धम्म-धम्म की आवाज से दिशाओं में मृदंग (वाद्ययन्त्र) बजने लगता है। जब वे कभी पेंग भरते हुए डाल की तरह लचीले होकर इधर उधर दौड़ते हैं तो वे छतों की मुंडेर व खतरनाक किनारों पर चढ़ जाते हैं। उस समय वे सिर्फ अपना ध्यान पंतग की ऊँचाईयों पर केन्द्रित रखते हैं। उस समय उनके शरीर का रोमांच अथवा उत्साहरूपी संगीत ही गिरने से बचाता है। कवि ने बच्चों के पंतग उड़ाने के समय की क्रियाकलापों का वर्णन किया है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

विशेष → (i) भाषा सरल व सहज है। खड़ी बोली हिन्दी का प्रयोग है।
(ii) मानवीकरण अलंकार का उचित प्रयोग है।
(iii) कवि ने बच्चों की पतंगों की रंग-बिरंगी दुनिया का मनोरम वर्णन किया है।

6

(16) फूल है शिरीष .... रहता है

सन्दर्भ → प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक आरोह भाग-2 के 'शिरीष के फूल' पाठ से लिया गया है। यह पाठ लेखक 'हजारी प्रसाद द्विवेदी' द्वारा रचित संग्रह 'कल्पलता' से संकलित है।

प्रसङ्ग → इन पंक्तियों के माध्यम से लेखक शिरीष के फूल की विशेषताओं को बताते हुए उसे कालजयी अवधूत की तरह बताता है जो विषम परिस्थितियों में भी हरा-भरा फूलों से लदा रहता है।

व्याख्या → इन पंक्तियों में लेखक कहते हैं कि शिरीष वसंत के आगमन में फूलों से भर जाता है तथा आषाढ़ तक निश्चित रूप से खिला रहता है और अगर कभी-कभी तो यह भाद्रपद तक भी बिना किसी बाधा के

BSER-172/2022

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

फूलता रहता है। उस समय चारों तरफ जब गर्मी से प्राणियों के प्राण उबलते रहते हैं और लू से सबका हृदय सूखता रहता है अर्थात जेठ माह में भीषण गर्मी के कारण चारों तरफ गर्मी से परेशान प्राणि दिखाई देते हैं। तब एकमात्र शिरीष पुष्प एक कालजयी संन्यासी की तरह विषम परिस्थितियों में भी अजेयता का मन्त्र प्रचार करता है अर्थात जिस प्रकार संन्यासी अपने देहबल के ऊपर आत्मबल का महत्त्व सिद्ध करते हैं तब शिरीष अपने फूलों से वातावरण में सौन्दर्य बिखेरता रहता है।

विशेष → (i) भाषा शैली सरल व सहज है।
(ii) संस्कृत भाषा के शब्दों का सुन्दर प्रयोग है।
(iii) शिरीष को एक कालजयी अवधूत माना गया है।

6

1

BSER-172/2022

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(17)

निविदा सूचना

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली

क्रमांक - लेखा / नि॰ सु॰ / 2025-02 दिनांक - 25 मार्च, 2025

निविदा संख्या 03/2025

अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा निम्न विवरणानुसार बिजली उपकरणों की आपूर्ति हेतु प्रतिष्ठित प्रतिष्ठानों से निविदाएँ आमन्त्रित की जाती हैं जो निर्धारित तिथि के दोपहर दो बजे तक प्राप्त की जायेंगी तथा उसी दिन इच्छुक निविदाकारों के समक्ष खोली जायेंगी। निविदा प्रपत्र निविदा खोलने की निर्धारित तिथि को 12 बजे तक निविदा शुल्क तथा धरोहर राशि को रेखांकित बैंक ड्राफ्ट निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली के कार्यालय में जमाकराके प्राप्त किया जा सकेगा। निविदा विवरण इस प्रकार है —

विवरण	अनुमानित राशि	धरोहर राशि	निविदा खोलने की तिथि	निविदा प्रपत्र शुल्क
बिजली उपकरणों की आपूर्ति हेतु	लाख पचास हजार लगभग	5000 %	05-04-2025	50%

नोट ⇒ आपूर्ति के लिए सामग्री का पूरा विवरण निविदा प्रपत्र के साथ उपलब्ध रहेगा।

रोहित
निदेशक

4

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(18) * बढ़ती सड़क दुर्घटनाएं : कारण और निवारण *

(i) प्रस्तावना → वर्तमान में वाहन हमारी एक प्रमुख आवश्यकता बन गये हैं इनके बिना हम संसार के विकास की कल्पना भी नहीं कर सकते। लेकिन कई लोग लापरवाही से वाहन चलाते हैं जिससे खतरनाक सड़क दुर्घटनाएं होती हैं जिससे जन-धन की हानि होती है।

(ii) वाहनों की असीमित वृद्धि → सड़क दुर्घटनाओं के बढ़ने का एक प्रमुख कारण वाहनों की असीमित वृद्धि है। जिससे प्रत्येक व्यक्ति ~~थ~~ थोड़ी दूरी तय करने के लिए भी वाहनों का इस्तेमाल करता है। इससे अत्यधिक वाहन सड़क पर चलने के कारण कई सड़क दुर्घटनाएं हो जाती हैं।

(iii) सड़क दुर्घटनाओं के कारण → सड़क दुर्घटनाएं के कारण निम्न प्रकार हैं -

(i) वाहन चलाते समय मोबाइल का इस्तेमाल करना।
(ii) ओवरस्पीड में वाहन चलाना।
(iii) सड़क पर मवेशियों, जानवरों का होना।
(IV) ट्रैफिक निर्देशों का पालन न करना।
(V) वाहनों पर स्टंट अर्थात ~~को~~ लापरवाही करना।
(VI) ~~वाहनों~~ सरकार द्वारा सड़कों की मरम्मत समय पर न करवाना।
(VII) वाहनों में ~~अब~~ लगातार वृद्धि तथा तेज चलने वाले वाहनों का आविष्कार व हैलमेट, सीट बेल्ट आदि

BSER-172/2022

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

का प्रयोग न करना।

(iv) सड़क दुर्घटनाओं के निवारण → सड़क दुर्घटनाओं के निवारण के लिए लोगों ~~की~~ को जागरूक करने की आवश्यकता है। लोगों को ट्रैफिक निर्देशों के प्रति सचेत होना होगा। वाहन चलाते समय हैलमेट व सीट बेल्ट लगायें। मोबाइल का प्रयोग न करें। तथा वाहनों का किसी भी प्रकार से दुरुपयोग न करके हम कई लोगों की जानें बचा सकते हैं तथा कई परिवारों को उजड़ने से बचा सकते हैं।

(v) उपसंहार → ~~बाढ़~~ बढ़ती हुई वाहन दुर्घटनाएँ न सिर्फ कई लोगों की अकाल मृत्यु का कारण बनती बल्कि देश के विकास को भी अवरुद्ध करते हैं। अतः इन दुर्घटनाओं को रोकने के लिए हमें आमजन को जागरूक करने की आवश्यकता है।

3

→ समाप्त ←

3/4/25

BSER-172/2022

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-172/2022

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-172/2022

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-172-2022

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSEB-172/2022

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-172/2022

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-172/2022

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-172/2022

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-172/2022

79 | अनियामित

3/11/25